सुविधा

रुपईडीहा में नेपाल बॉर्डर पर बनाया गया है चेक पोस्ट

पहला इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट तैयार आयात-निर्यात में आएगी तेजी

अमर उजाला ब्यूरो

एक छत के नीचे होंगे सभी विभाग, कार्गो की क्लीरियंस में आएगी तेजी

चेकपोस्ट पर सौ फुट का तिरंगा भी चौबीस घंटे फहरेगा, किसी बॉर्डर पर सबसे बड़ा होगा तिरंगा

लखनऊ। प्रदेश का पहला इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) तैयार है। नेपाल बॉर्डर पर रूपईडीहा (बहराइच) में बने इस चेक पोस्ट में अब एक ही छत के नीचे सारे विभाग आ जाएंगे। मई-जून में भव्य समारोह के साथ इसकी शुरुआत हो सकती है। चेकपोस्ट पर सौ फुट का तिरंगा भी चौबीस घंटे फहरेगा, जो किसी बॉर्डर पर सबसे विशालकाय होगा।

इस चेकपोस्ट की लागत करीब दो सौ करोड़ रुपए आई है। इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यहां कस्टम, आव्रजन, सीमा सुरक्षा बल, प्लान क्वारंटीन सहित सभी काम होंगे। इससे आयात निर्यात में अप्रत्याशित रूप से तेजी आएगी। अभी भारत से नेपाल और नेपाल से भारत आने वाले कार्गो की क्लीरियंस में दो से तीन दिन लग जाते हैं। तमाम मामलों में सात दिन क्लीयरेंस हो पाती है। आईसीपी के जरिए क्लीयरेंस का काम महज कुछ घंटों में हो जाएगा। नेपाल की यूपी के साथ सबसे बड़ी सीमा है जो करीब 650 किलोमीटर है।

चेक पोस्ट में एक साथ सैकड़ों ट्रकों के खड़े होने की व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं कर्मचारियों और ड्राइवरों के लिए तमाम खानपान और आराम की सुविधाओं के इंतजाम किए गए हैं। इसी क्षेत्र में नेपाल सीमा पर भी एक चेकपोस्ट का निर्माण किया जा रहा है, जिसे भारत सरकार ही तैयार करा रही है। पिछले कुछ वर्ष में नेपाल से कारोबार में काफी तेजी आई है जिसमें दवा, मशीनरी, उपकरण, परिवहन के कलपुर्जे, चावल, कच्चा सोयाबीन तेल, रेडीमेड, किराना और कोयला आदि प्रमुख हैं।

यहां भी बन रहे चेक पोस्ट

पंजाब (पाकिस्तान बॉर्डर), त्रिपुरा (बांग्लादेश बॉर्डर), पश्चिम बंगाल (बांग्लादेश बॉर्डर), बिहार (नेपाल बॉर्डर), मणिपुर (म्यांमार बॉर्डर), मेघालय (बांग्लादेश बॉर्डर), सोनौली यूपी (नेपाल बॉर्डर) और असोम (बांग्लादेश बॉर्डर)।